Page	line	read	instead of
60	20	गृहपतिः	गृहपातः
. 68	18	अश्वतरीरथ°	अश्वतरा रथ°
"	19	उषस्याग°	उषस्यग°
63	10	अतिशस्यो	अति शस्यो
"	16	सयोनित्वाय	स योनित्वाय
"	18	अहर्वै	अहव
63	3	देवा मृ°न यारोषाति	न देवीमृ° नयारेषि॥तन
"	16	वीरवान्वयं	वीर°
"	17	अति य°	अतिय°
,,	18	उत्तीव वा°	उतीववा°
68	16,20	) अहःश	अहश
"	21	समृद्धं	समृद्ध
60	23	उतिरात्रो वा	अतिरात्रो अवा.
68	9	षळहेन यं°	षळहेनयं°
"	12	वै वर्तम°	वैवर्तम°
69	17	यथा सु°	यथास्त्र°
200	4	समष्य	समष्टयै
305	2	भुंजते ऽथ	भुंजतेथ
803	2	हतपा°	हत पा°
808	16	सन्न्युप्य	स न्युप्य
१०५	8	ऊषानसाव°	ऊषान साव°
"	20-21	पृष्ठानि	पृष्टानि
206	12	वस्पात	वनस्पति .